www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET PAPER 3 JANUARY 03, 2017 SHIFT 1 PRAKRIT QUESTION PAPER

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. This Prakrit is known as the Ārṣa Prakrit

(1) Mahārāṣṭrī (2) Paiśācī

(3) Apabhraṃśa (4) Ardhamāgadhī

2. Prakrit is related with this family of languages

(1) Celtic (2) Slavic

(3) Indo-Aryan (4) Tokharian

3. This earliest available text in Śaurseni Prakrit is

(1) Samayasāra (2) Kasāyapāhuda

(3) Mūlācāra (4) Tiloyapaṇṇatti

4. The first Rāmkathākāvya of Apabhraṃsa is this.

(1) Paumacariu (2) Jasaharacariu

(3) Paumacariyaṃ (4) Setubandha

5. The author of the Bhagavati Ārādhanā is

(1) Śivārya (2) Vaṭṭakera

(3) Kārtikeya (4) Yativṛṣabha

6. This group is correct according to chronological order of these writers :

(1) Haribhadra, Yatibṛṣabha, Kundakunda and Dharasena

(2) Kundakunda, Haribhadra, Dharasena and Yatibṛṣabha

(3) Dharasena, Kundakunda, Yatibṛṣabha and Haribhadra

(4) Yatibṛṣabha, Dharasena, Kundakunda and Haribhadra

7. Ardhamāgadhi Aṅga text Bhagawatīsūtra is also known as

(1) Āyāro (2) Sūtrakṛtāṅg

(3) Vivāhapaṇṇattī (4) Nandisūtra

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. यह प्राकृत आर्ष प्राकृत कही जाती है –

(1) महाराष्ट्री (2) पैशाची

(3) अपभ्रंश (4) अर्धमागधी

2. प्राकृत का सम्बन्ध इस भाषा परिवार से है –

(1) केल्टिक (2) स्लविक

(3) भारतीय-आर्य (4) तोखारियन

3. शौरसेनी प्राकृत में सर्वप्रथम यह ग्रन्थ उपलब्ध होता है –

(1) समयसार (2) कसायपाहुड

(3) मूलाचार (4) तिलोयपण्णत्ति

4. अपभ्रंश का प्रथम रामकथाकाव्य यह है –

(1) पउमचरिउ (2) जसहरचरिउ

(3) पउमचरियं (4) सेतुबन्ध

5. अभगवती आराधना के लेखक हैं :

(1) शिवार्य (2) वट्टकेर

(3) कार्तिकेय (4) यतिवृषभ

6. कालक्रम की दृष्टि से इन रचनाकारों का यह समूह सही है –

(1) हरिभद्र, यतिवृपभ, कुन्दकुन्द एवं धरसेन

(2) कुन्दकुन्द, हरिभद्र, धरसेन और यतिवृषभ

(3) धरसेन, कुन्दकुन्द, यतिवृपभ और हरिभद्र

(4) यतिवृषभ, धरसेन, कुन्दकुन्द और हरिभद्र

7. अर्धमागधी अंग ग्रन्थ भगवतीसूत्र को इससे भी जाना जाता है –

(1) आयारो (2) सूत्रकृतांग

(3) विवाहपण्णत्ति (4) नन्दिसूत्र

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

8. Nominative Singular of the word Sādhu is

(1) Sāhū (2) Sāhú

(3) Sādhu (4) Sāhūṇo

9. In Prakrit the initial y is changed into

(1) t (2) p

(3) k (4) j

10. ś, ṣ and s are changed into Māgadhī as

(1) s (2) ṣ

(3) h (4) ś

11. Cūlikā Paiśācī is an addition of

(1) Avanti (2) Abhiri

(3) Prācyā (4) Paiśācī

12. In Prakrit 'kṣa' is changed into

(1) kha, cha, jha (2) ta, pha, la

(3) ra, sa, ṇa (4) ma, nva, ga

13. The word 'pṛthak' in Prakrit is changed into

(1) piham (2) pihao

(3) viham (4) vihao

14. The alternative form of the word 'ojjharo' in Prakrit is

(1) ṇijjharo (2) ṇibbharo

(3) uvvaro (4) uddhāro

15. Gommaṭṭasāra mainly deals with

(1) Jñāna (2) Darśana

(3) Theory of karma (4) Lōka

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

8. 'साधु' शब्द का प्रथमा एकवचन का रूप यह है –

(1) साहू (2) साहु

(3) साधु (4) साहूणो

9. प्राकृत में आदिस्थित 'य' का यह परिवर्तन होता है –

(1) त (2) प

(3) क (4) ज

10. मागधी में श, ष और स का यह परिवर्तन होता है –

(1) स (2) ष

(3) ह (4) श

11. चूलिका पैशाची इसका संयोजन है –

(1) आवन्ती (2) आभीरी

(3) प्राच्या (4) पैशाची

12. प्राकृत में क्ष का परिवर्तन इस रूप में होता है –

(1) ख, छ, झ (2) त, फ, ल

(3) र, स, ण (4) म, न्व, ग

13. 'पृथक्' शब्द का प्राकृत में यह परिवर्तन होता है –

(1) पिहं (2) पिहओ

(3) विहं (4) विहओ

14. 'ओज्झरो' शब्द का प्राकृत में वैकल्पिक रूप यह है –

(1) णिज्झरो (2) णिब्भरो

(3) उव्वरो (4) उद्धारो

15. गोम्मटसार मुख्यत: इस विषय का वर्णन करता है –

(1) ज्ञान (2) दर्शन

(3) कर्म सिद्धान्त (4) लोक

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

16. In the following group of texts is the correct group of Śauraseni

(1) Aṭṭapāhuda, Niyamasāra, Davvasaṅghaho

(2) Pavayaṇasāra, Vipakasūtra, Mūlācāra

(3) Āyāraṅgasutta, Gomaṭṭasāra, Samayasāra

(4) Bhagawatī Ārādhanā, Ācārāṅgasūtra, Tiloyapaṇṇatti

17. Name of the sixth Aṅga Āgama is

(1) Vivāgasuyaṃ (2) Ṇāyādhammakahā

(3) Āyārro (4) Uvāsagadasāo

18. Name of ninth chapter of Uttarādhyayanasutra is

(1) Vinaya (2) Cittasaṁbhutiya

(3) Nami-pavijjā (4) Kesī-Gautamīya

19. Māgadhi is the Prakrit of this region of India

(1) Southern (2) Eastern

(3) Western (4) North-Western

20. This is the sub-dialect of Māgadhī-Prākrit.

(1) Pāñcālī (2) Dākṣiṇātyā

(3) Śākārī (4) Āvantī

21. The vowel "au" in Prakrit is changed into

(1) ī (2) ai

(3) o (4) e

22. In Prakrit ḷ changes into

(1) ila (2) ili

(3) lu (4) lā

23. Māgadhī is spoken by this character in Sanskrit drama.

(1) Fisherman (2) King

(3) Jester (4) Queen

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

16. निम्नलिखित ग्रन्थों के समूह में शौरसेनी का यह समूह सही है :

(1) अट्ठपाहुड, नियमसार, दव्वसंगहो

(2) पवयणसार, विपाकसूत्र, मूलाचार

(3) आयारांगसुत्त, गोमट्टसार, समयसार

(4) भगवती आराधना, आचारांगसूत्र, तिलोयपण्णत्ति

17. छठवें अंग आगम का नाम है

(1) विवागसुयं (2) णायाधम्मकहा

(3) आयारो (4) उवासगदसाओ

18. उत्तराध्ययनसूत्र के नवें अध्ययन का नाम है

(1) विनय (2) चित्तसंभूतीय

(3) नमि-पविज्जा (4) केसी-गौतमीय

19. मागधी प्राकृत भारत के इस क्षेत्र की है –

(1) दक्षिण (2) पूर्व

(3) पश्चिम (4) उत्तर-पश्चिम

20. यह मागधी प्राकृत की उपभाषा है –

(1) पाञ्चाली (2) दाक्षिणात्या

(3) शाकारी (4) आवन्ती

21. स्वर "औ" का प्राकृत में यह परिवर्तन होता है –

(1) ई (2) ऐ

(3) ओ (4) ए

22. प्राकृत में ऌ का परिवर्तन इस रूप में होता है –

(1) इल (2) इलि

(3) लु (4) ला

23. संस्कृत नाटकों में इस पात्र के द्वारा मागधी बोली जाती है –

(1) धीवर (2) राजा

(3) विदूषक (4) रानी

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

24. This feature is found in the Pāiyalacchīnāmamālā

(1) Written in prose and verse

(2) Used of Dvāṣraya method

(3) Written in Apabhraṃśa language

(4) Divided into Āśvasās

25. 'Siricindhakavva' is also known by this name

(1) Rayaṇavalī (2) Kumarpālapratibodha

(3) Govindābhiṣeka (4) Ravaṇavadha

26. Identify the correct pair of text and their author.

(1) Uṣāniruddha – Rāmapānivāda

(2) Kaṇsavahō – Rājaśekhara

(3) Vasudevahiṇḍi – Haribhadrasūri

(4) Bhṃgasandeśa – Nayacāndra

27. The Uṣāniruddha text belongs to this form

(1) Chandakāvya (2) Kōśakāvya

(3) Muktakakāvya (4) Prabandhakāvya

28. The hero of Līlāvaikahā is

(1) King Yaśōvarmā (2) King Sātavāhana

(3) King Kumārapāla (4) Vākpatirāja

29. The writing period of Līlāvaīkahā is

(1) 9^{th} century C.E. (2) 12^{th} century C.E.

(3) 14^{th} century C.E. (4) 15^{th} century C.E.

30. The writing period of Pāiyalacchināmamālā is

(1) 8^{th} century C.E. (2) 10^{th} century C.E.

(3) 12^{th} century C.E. (4) 13^{th} century C.E.

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

24. पाइयलच्छीनाममाला की यह विशेषता है

(1) गद्य-पद्य का प्रयोग
(2) द्वयाश्रय पद्धति का प्रयोग
(3) अपभ्रंश भाषा में रचित
(4) आश्वासों में विभाजन

25. "सिरिचिन्धकव्व" को इस नाम से भी जाना जाता है :

(1) रयणावली
(2) कुमारपालप्रतिबोध
(3) गोविन्दाभिषेक
(4) रावणवध

26. ग्रन्थ एवं उसके ग्रन्थकार का सही युग्म पहिचानिये :

(1) उषानिरुद्ध – रामपाणिवाद
(2) कंसवहो – राजशेखर
(3) वसुदेवहिण्डी – हरिभद्रसूरि
(4) भृगसदश – नयचन्द्र

27. उषानिरुद्ध ग्रन्थ इस विधा का है :

(1) छन्दकाव्य
(2) कोशकाव्य
(3) मुक्तककाव्य
(4) प्रबन्धकाव्य

28. लीलावईकहा का नायक है :

(1) राजा यशोवर्मा
(2) राजा सातवाहन
(3) राजा कुमारपाल
(4) वाक्पतिराज

29. लीलावईकहा ग्रन्थ का रचनाकाल है :

(1) 9वीं शताब्दी
(2) 12वीं शताब्दी
(3) 14वीं शताब्दी
(4) 15वीं शताब्दी

30. पाइयलच्छीनाममाला का रचनाकाल है :

(1) 8वीं शताब्दी
(2) 10वीं शताब्दी
(3) 12वीं शताब्दी
(4) 13वीं शताब्दी

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

31. This statement is not true

(1) Setubandha is a Prakrit Epic

(2) Mṛgankalekhā is a saṭṭaka text

(3) Prakrit Puṣkaraṇī is a collection text

(4) Gāhāsaṭṭasai is a Muktaka text

32. The author of Nirvāṇalīlāvatī Kathā is

(1) Harichandra

(2) Jinasena

(3) Dhaneśvarasūri

(4) Jineśvarasūri

33. The period of Dhūrtākhyāna is this

(1) Sixth century C.E.

(2) Eighth century C.E.

(3) Tenth century C.E.

(4) Eleventh century C.E.

34. Surasundaricariyaṃ is composed at

(1) Caḍḍāvali

(2) Aṇahilapura

(3) Jābālipura

(4) Pāṭaliputra

35. Śaurasenī Prakrit in Sanskrit Dramas is spoken by

(1) Vidūṣaka

(2) Dhīvara

(3) Rājā

(4) Śakāra

36. The author of the Ānandasundarī Saṭṭaka is

(1) Hastimalla

(2) Lakṣmīdhara

(3) Ghanaśyāma

(4) Rāmapāṇivāda

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

31. यह कथन सही नहीं है :

(1) सेतुबन्ध एक प्राकृत महाकाव्य है ।

(2) मृगांकलेखा एक सट्टक ग्रंथ है ।

(3) प्राकृत पुष्करणी एक संकलन ग्रन्थ है ।

(4) गाहासत्तसई एक मुक्तक काव्य है ।

32. निर्वाणलीलावती कथा के लेखक हैं :

(1) हरिचन्द्र

(2) जिनसेन

(3) धनेश्वरसूरि

(4) जिनेश्वरसूरि

33. धूर्ताख्यान का रचनाकाल यह है :

(1) छठी शताब्दी

(2) आठवीं शताब्दी

(3) दसवीं शताब्दी

(4) ग्यारहवीं शताब्दी

34. सुरसुन्दरीचरियं का रचनास्थल यह है :

(1) चड्डावलि (2) अणहिलपुर

(3) जाबालिपुर (4) पाटलिपुत्र

35. संस्कृत नाटकों में यह पात्र शौरसेनी प्राकृत बोलता है :

(1) विदूषक (2) धीवर

(3) राजा (4) शकार

36. आनन्दसुन्दरी सट्टक के लेखक हैं :

(1) हस्तिमल्ल

(2) लक्ष्मीधर

(3) घनश्याम

(4) रामपाणिवाद

37. Read the Unit – I and II for correct match :

	Unit – I		Unit – II
(a)	Rāmapāṇīvāda	(i)	Raṃbhāmañjarī
(b)	Rudradāsa	(ii)	Karpūramañjarī
(c)	Rājaśekhara	(iii)	Candalehā
(d)	Nayacandra	(iv)	Kaṃsavahō

Identify the correct answer code :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

38. The reference of the appointment of 'itthijhakha-mahāmātā' in this inscription of Girnar version of Emperor Aśoka

(1) First inscription
(2) Fifth inscription
(3) Third inscription
(4) Twelfth inscription

39. Emperor Aśoka was the follower of this religion

(1) Shaivism
(2) Buddhism
(3) Jainism
(4) Vaishnavism

40. The princehood of Khāravela has been mentioned in this line of the Khāravela Inscription

(1) Fifth line
(2) First line
(3) Second line
(4) Third line

41. The word 'Supavata-Vijayacake' is mentioned in this line of Khāravela inscription

(1) Fourteenth line
(2) Ninth line
(3) Fourth line
(4) Eighth line

42. The word 'Kaliṃga-jina' has been mentioned in this line of the Khāravela inscription

(1) Eleventh line
(2) Ninth line
(3) Twelfth line
(4) Fourteenth line

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

37. प्रथम और द्वितीय इकाईयों के सही मिलान के लिए पढ़िये :

	इकाई-I		इकाई-II
(a)	रामपाणिवाद	(i)	रम्भामंजरी
(b)	रुद्रदास	(ii)	कर्पूरमञ्जरी
(c)	राजशेखर	(iii)	चन्द्रलेहा
(d)	नयचन्द्र	(iv)	कंसवहो

सही उत्तर कूट पहचानिए :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(3)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

38. 'इत्थीइखमहामाता' की नियुक्ति का उल्लेख सम्राट अशोक के गिरनार के इस शिलालेख में उपलब्ध है –

(1) प्रथम शिलालेख (2) पंचम शिलालेख

(3) तृतीय शिलालेख (4) द्वादश शिलालेख

39. सम्राट अशोक इस धर्म का अनुयायी था –

(1) शैवधर्म (2) बौद्धधर्म

(3) जैनधर्म (4) वैष्णवधर्म

40. खारवेल-शिलालेख की इस पंक्ति में खारवेल के युवराजावस्था की चर्चा की गई है

(1) पाँचवीं पंक्ति में (2) प्रथम पंक्ति में

(3) द्वितीय पंक्ति में (4) तृतीय पंक्ति में

41. खारवेल-शिलालेख की इस पंक्ति में 'सुपवत विजयचके' का उल्लेख किया गया है –

(1) चउदहवीं पंक्ति में (2) नौवीं पंक्ति में

(3) चौथी पंक्ति में (4) आठवीं पंक्ति में

42. खारवेल-शिलालेख में "कलिंग-जिन" का नामोल्लेख इस पंक्ति में मिलता है –

(1) ग्यारहवीं पंक्ति में (2) नौवीं पंक्ति में

(3) बारहवीं पंक्ति में (4) चौदहवीं पंक्ति में

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

43. Read the Unit – I and II for correct match :

Unit – I		Unit – II	
(a)	Śatabhage va sahasra bhagaṁva	(i)	Twelfth Girnar Inscription
(b)	Prāṇānaṁ Anāraṁbho Sādhu	(ii)	Fourteenth Girnar Inscription
(c)	Alocetvā lipikarāparadhena ca	(iii)	Eleventh Girnar Inscription
(d)	Savaṁ ātpapāsaṁdabhaliyā kinti	(iv)	Thirteenth Girnar Inscription

Identify the correct answer code :

(1) (a) + (i)

(2) (b) + (iii)

(3) (c) + (ii)

(4) (d) + (iv)

44. The word 'coyaṭhi-aṃga' has been mentioned in this line of the Khāravela inscription

(1) Eighth line (2) Eleventh line

(3) Ninth line (4) Sixteenth line

45. The name of Nandarāja has been mentioned in this line of the Khāravela Inscription

(1) Ninth line (2) Sixth line

(3) Third line (4) Twelfth line

46. 'Rayaṇāvali is authored by

(1) Haribhadra (2) Hemacandra

(3) Guṇabhadra (4) Samantabhadra

47. The number of Gāthas in Pāiyalacchīnāmamāla is

(1) 379 (2) 289

(3) 279 (4) 489

48. Rayaṇāvali is a text of this kind

(1) Kavya (2) Kośa

(3) Chanda (4) Jyotiṣa

49. Dhanapāla is the author of

(1) Desīśabdasaṅgraha (2) Pāia-sadda-mahaṇṇavo

(3) Pāiyalacchīnāmamāla (4) Abhidhanarājendra

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

43. प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों को पढ़ें और सही मिलान करें :

	इकाई-I		इकाई-II
(a)	शतभगे व सहस्सभगं व	(i)	बारहवाँ गिरनार शिलालेख
(b)	प्राणानं अनारंभो साधु	(ii)	चौदहवाँ गिरनार शिलालेख
(c)	अलोचेत्वा लिपिकरापरधेन च	(iii)	ग्यारहवाँ गिरनार शिलालेख
(d)	सवं आत्पपासंडभनिया किंति	(iv)	तेरहवाँ गिरनार शिलालेख

सही उत्तर की पहिचान कीजिए –

(1) (a) + (i)
(2) (b) + (iii)
(3) (c) + (ii)
(4) (d) + (iv)

44. खारवेल शिलालेख की इस पंक्ति में "चोयटि-अंग" शब्द का उल्लेख किया गया है –

(1) आठवीं पंक्ति में
(2) ग्यारहवीं पंक्ति में
(3) नौवीं पंक्ति में
(4) सोलहवीं पंक्ति में

45. खारवेल शिलालेख में नन्दराज का उल्लेख इस पंक्ति में हुआ है –

(1) नौवीं पंक्ति में
(2) छठवीं पंक्ति में
(3) तीसरी पंक्ति में
(4) बारहवीं पंक्ति में

46. 'रयणावलि' इनके द्वारा विरचित है –

(1) हरिभद्र
(2) हेमचन्द्र
(3) गुणभद्र
(4) समन्तभद्र

47. पाइयलच्छीनाममाला में गाथाओं की संख्या है –

(1) 379
(2) 289
(3) 279
(4) 489

48. रयणावलि इस विधा का ग्रन्थ है –

(1) काव्य
(2) कोश
(3) छन्द
(4) ज्योतिष

49. धनपाल इस (ग्रन्थ) के लेखक हैं –

(1) देशीशब्द संग्रह
(2) पाइअ-सद्द-महण्णवो
(3) पाइयलच्छीनाममाला
(4) अभिधानराजेन्द्र

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

50. Hemacandra is the writer of

(1) Pāiyalacchīnāmamālā (2) Pāia-sadda-mahaṇṇavo

(3) Deśīnāmamālā (4) Ardhamāgadhikośa

51. Read the Unit – I and II for correct match :

Unit – I		Unit – II	
(a)	Hemachandra	(i)	Pāia-sadda-mahaṇṇavo
(b)	Piṅgalācāriya	(ii)	Kāvyādarśa
(c)	Daṇḍī	(iii)	Rayaṇāvalī
(d)	Haragovindadāsa	(iv)	Prakrit-paiṅgalam

Choose the correct answer code :

(1) (a) + (ii)

(2) (b) + (iii)

(3) (c) + (iv)

(4) (d) + (i)

52. The language of Ṇāyakumāracariu is _____.

(1) Hindi (2) Sanskrit

(3) Apabhraṁśa (4) Pāli

53. In Māgadhī aham is changed into

(1) hage (2) ahaṃ

(3) amhe (4) ahakaṃ

54. Main feature of Śaurasenī is

(1) p becoming v (2) r becoming l

(3) t becoming d (4) c becoming j

55. In śaurasenī the example of initial t becoming d is

(1) daicca (2) diṇṇa

(3) dakkhiṇa (4) dāva

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

50. हेमचन्द्र इस ग्रन्थ के रचयिता है –

(1) पाइयलच्छीनाममाला (2) पाइअ-सद्द-महण्णवो

(3) देशीनाममाला (4) अर्धमागधीकोश

51. प्रथम एवं द्वितीय तालिकाओं को पढ़िए और सही मिलान करें :

	सूची-I		सूची-II
(a)	हेमचन्द्र	(i)	पाइअ-सद्द-महण्णवो
(b)	पिंगलाचरिय	(ii)	काव्यादर्श
(c)	दण्डी	(iii)	रयणावली
(d)	हरगोविन्ददास	(iv)	प्राकृतपैंगलम्

सही उत्तर कूट चुनिए –

(1) (a) + (ii)

(2) (b) + (iii)

(3) (c) + (iv)

(4) (d) + (i)

52. णायकुमारचरिउ की भाषा है –

(1) हिन्दी (2) संस्कृत

(3) अपभ्रंश (4) पालि

53. मागधी में 'अहं' इस रूप में परिवर्तित होता है –

(1) हगे (2) अहं

(3) अम्हे (4) अहकं

54. शौरसेनी का प्रमुख लक्षण यह है –

(1) प का व होना (2) र का ल होना

(3) त का द होना (4) च का ज होना

55. शौरसेनी में आदिस्थित त के स्थान पर द होने का उदाहरण है –

(1) दइच्च (2) दि्ण्ण

(3) दक्खिण (4) दाव

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

56. The word 'yauvana' is changed into Prakrit as

(1) yauvaṇa
(2) yovaṇa
(3) jovvaṇa
(4) jovana

57. The word paḍhamaṃ does not occur in Prakrit as

(1) Puḍhumaṃ
(2) Paḍhamaṃ
(3) Paḍhumaṃ
(4) Pahamaṃ

58. This is an example of Palatalization

(1) jalaṃ
(2) raggo
(3) saccaṃ
(4) rajjam

59. This is an example of cerebralization

(1) pāhuḍaṃ
(2) Rāmāyaṇaṃ
(3) dappaṇaṃ
(4) ṭakko

60. This is an example of labialisation

(1) lābho
(2) sahāvo
(3) vavahāro
(4) dūhavo

61. Udyotanasūri has considered these three as 'puruṣārtha' _____.

(1) Puḍhvi-jala-teu
(2) Dhammo-attho-kāmo
(3) Jīvo-dhammo-adhammo
(4) Sukha-dukkha-moho

62. 'Āyau Sammai paramajiṇu' in this reference of Ṇāyakumāracariu, 'Sammai' reflects to

(1) Shreṇika
(2) Vardhamāna
(3) Nanna
(4) Pushpadanta

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

56. 'यौवन' शब्द का प्राकृत में यह परिवर्तन होता है –

(1) यौवण (2) योवण

(3) जोव्वण (4) जोवण

57. 'पढमं' शब्द इस रूप में प्राकृत में नहीं होता –

(1) पुढुमं (2) पढमं

(3) पढुमं (4) पहमं

58. यह तालव्यीकरण का उदाहरण है –

(1) जलं (2) रग्गो

(3) सच्चं (4) रज्जं

59. यह मूर्धन्यीकरण का उदाहरण है –

(1) पाहुडं (2) रामायणं

(3) दप्पणं (4) टक्को

60. यह ओष्ठीकरण का उदाहरण है –

(1) लाभो (2) सहावो

(3) ववहारो (4) दूहवो

61. उद्योतनसूरि ने इन तीन को 'पुरुषार्थ' कहा है –

(1) पुढवि – जल – तेउ

(2) धम्मो – अत्थो – कामो

(3) जीवो – धम्मो – अधम्मो

(4) सुख – दुक्ख – मोहो

62. 'आयउ सम्मइ परमजिणु' णायकुमारचरिउ के इस उद्धरण में 'सम्मइ' पद से यह अभिप्रेत है –

(1) श्रेणिक (2) वर्धमान

(3) नन्न (4) पुप्पदन्त

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

63. 'Esā ṇāṇakamūsikāmavaśikā macchāśikā lāśikā' this statement of Shakāra is in this type of Prakrit _____.

(1) Māgadhi
(2) Mahārāṣtri
(3) Śauraseni
(4) Paiśāci

64. 'Ṭhāṇajudāṇa puggalajīvāṇa ṭhāṇasahayārī' is the characteristic of this substance_____.

(1) Dharma-dravya
(2) Adharma-dravya
(3) Ākāśa-dravya
(4) Kāla-dravya

65. In ninth chapter of Uttarādhyayana-Sūtra, the dialogue took place between these two

(1) Kapil-Gautama
(2) Nami-Indra
(3) Rajīmati-Rathanemi
(4) Kesi-Gautama

66. 'Pravahaṇa viparyaya' is the event of this act of the Mṛcchakaṭikam _____

(1) Sixth
(2) Fifth
(3) Fourth
(4) Third

67. "Dhammo divo paiṭṭhā ya gai saraṇamuttamaṃ"

The above statement of Uttarādhyayana is made by

(1) Rathanemi
(2) Gautama
(3) Rājarśi Nami
(4) Kesīkumāra

68. This Prakrit language is used by Basantasenā in Mṛcchakaṭikam

(1) Māgadhi
(2) Śākārī
(3) Śaurasenī
(4) Ḍhakkī

69. 'Paḍhamavibuddha sirisevio Mahumahaṇo' in this statement of setubandha the term 'Mahumahaṇo' reflects to

(1) Krishna
(2) Shiva
(3) Ram
(4) Vishnu

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

63. 'एशा णाणकमूशिकामवाशिका मच्छाशिका लाशिका' शकार का यह कथन इस प्राकृत भापा में है –

(1) मागधी (2) महाराष्ट्री

(3) शौरसेनी (4) पैशाची

64. 'ठाणजुदाण पुग्गलजीवाण ठाणसहयारी' यह लक्षण इस द्रव्य का है –

(1) धर्म-द्रव्य (2) अधर्म-द्रव्य

(3) आकाश-द्रव्य (4) काल-द्रव्य

65. उत्तराध्ययन के नवें अध्ययन में इन दोनों के बीच संवाद हुआ –

(1) कपिल – गौतम (2) नमि – इन्द्र

(3) राजीमती – रथनेमि (4) केसि – गौतम

66. 'प्रवहणविपर्यय' मृच्छकटिक के इस अंक की घटना है –

(1) पष्ट (2) पंचम

(3) चतुर्थ (4) तृतीय

67. "धम्मो दीवो पइट्ठा य गई सरणमुत्तमं"

उत्तराध्ययन का उपर्युक्त कथन इसने कहा –

(1) रथनेमि (2) गौतम

(3) राजर्षि नमि (4) केसिकुमार

68. बसन्तसेना ने मृच्छकटिक में इस प्राकृत भापा का प्रयोग किया है –

(1) मागधी (2) शाकारी

(3) शौरसेनी (4) ढक्की

69. 'पढमविबुद्धसिरिसेविओ महुमहणो' सेतुबन्ध के इस कथन में 'महुमहणो' पद से यह अभिप्रेत है –

(1) कृष्ण (2) शिव

(3) राम (4) विष्णु

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

70. This character does not belong to Karpūramañjarī

(1) Vicakṣaṇā (2) Radanikā

(3) Chandrapāla (4) Ghanasāramañjarī

71. Benedictory versus of Ṇāyakumāracariu are composed in this metre-style

(1) Dohā (2) Kaḍavaka

(3) Chaupāī (4) Anuṣṭup

72. "Se Āyāvāī Logāvāī kammāvāī kiriyāvāī" the above text is quoted from this Āgama

(1) Ṣaṭkhaṇḍāgama (2) Ācārāṅga

(3) Pannavaṇā (4) Ṭhāṇāṅga

73. Read the terms in Unit – I and number of types in Unit – II for correct match :

Unit – I		Unit – II	
(a)	Karma	(i)	4
(b)	Kaṣāya	(ii)	5
(c)	Indriya	(iii)	6
(d)	Leśyā	(iv)	8

Choose the correct answer code :

(1) (a) + (ii)

(2) (b) + (iv)

(3) (c) + (i)

(4) (d) + (iii)

74. This group is called 'Dravya'

(1) Nirjarā – Mokṣa (2) Āsrava – Saṃvara

(3) Jīva – Ajīva (4) Puṇya – Pāpa

75. In Ṇāyakumāracariu this king is described as the contemporary of Vardhamāna Mahāvīra

(1) Nandarāja (2) Kriṣṇarāja

(3) Śreṇika (4) Varmadeva

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

70. यह पात्र कर्पूरमंजरी में नहीं है –

(1) विचक्षणा (2) रदनिका

(3) चन्द्रपाल (4) घनसारमंजरी

71. णायकुमारचरिउ के मङ्गलाचरण की गाथाएँ इस छन्द-शैली में रचित हैं –

(1) दोहा (2) कड़वक

(3) चौपाई (4) अनुष्टुप्

72. "से आयावाई लोगावाई कम्मावाई किरियावाई" उपर्युक्त उद्धरण इस आगम से उद्धृत है –

(1) षट्खण्डागम (2) आचारांग

(3) पन्नवणा (4) ठाणांग

73. सही मिलान करने हेतु इकाई-I में पद और इकाई-II में प्रकारों की संख्या पढ़ें :

इकाई-I		इकाई-II	
(a)	कर्म	(i)	4
(b)	कषाय	(ii)	5
(c)	इन्द्रिय	(iii)	6
(d)	लेश्या	(iv)	8

सही उत्तर कूट चुनिए –

(1) (a) । (ii)

(2) (b) + (iv)

(3) (c) । (i)

(4) (d) । (iii)

74. इस वर्ग को 'द्रव्य' कहते हैं –

(1) निर्जरा-मोक्ष (2) आस्रव-संवर

(3) जीव-अजीव (4) पुण्य-पाप

75. णायकुमारचरिउ में इस राजा को वर्धमान महावीर का समकालीन बताया है –

(1) नन्दराज (2) कृष्णराज

(3) श्रेणिक (4) वर्मदेव

Prepp
Your Personal Exams Guide

Space For Rough Work

Prepp Your Personal Exam Guide